हिंदी `ब'
सी.बी.एस.ई.
प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र, 2021-22
(14 जनवरी, 2022 को बोर्ड द्वारा प्रेषित)

हल सहित

समय : 2:00 घण्टे | पूर्णांक : 40

सामान्य निर्देश :

- इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं—खंड 'क' और खंड 'ख'।
- खंड-'क' में कुल 3 प्रश्न हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उत्तर दीजिए।
- खंड-'ख' में कुल 5 प्रश्न हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उत्तर दीजिए।
- कुल प्रश्नों की संख्या 8 है।
- प्रत्येक प्रश्न को ध्यान पूर्वक पढ़ते हुए यथासंभव क्रमानुसार उत्तर लिखिए।

खण्ड–`क'

[14 अंक]

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए— [2 × 2 = 4]

(क) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में पर्वत द्वारा अपना प्रतिबिम्ब तालाब में देखना पर्वत के किन मनोभावों को स्पष्ट करना चाहता है?

(ख) 'कर चले हम फिदा' कविता और 'कारतूस' एकांकी के भावों की तुलना कीजिए। विश्लेषण करते हुए अपने मत के समर्थन में तर्क प्रस्तुत कीजिए।

(ग) वज़ीर अली के जीवन का लक्ष्य अंग्रेज़ों को इस देश से बाहर करना था। 'कारतूस' पाठ के आधार पर कथन की सत्यता सिद्ध कीजिए।

2. निम्नलिखित दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लग. भग 60-70 शब्दों में दीजिए— [4 × 1 = 4]

(क) मृगाक्षी एक बहुराष्ट्रीय कम्पनी में मैनेजर के पद पर आसीन है। श्रेष्ठ संचालन व बहुमुखी प्रतिभा की धनी होने के साथ ही बुद्धिमानी से तथ्यों को सुलझाने और सभी कार्यों को व्यवस्थित करने में उसका कोई सानी नहीं है। वह रात-दिन काम में जुटी रहती है। कम्पनी के स्तर को बढ़ाने के लिए सदैव प्रयासरत रहती है। कुछ दिनों से उसके सिर में दर्द रहने लगा है तथा नींद भी ठीक से नहीं आती है। जरा-जरा सी बात में चिड़चिड़ापन होता है तथा अक्सर उदासी उसे घेरे रहती है। इसका क्या कारण हो सकता है? 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ में 'झेन की देन' हमें जो सीख प्रदान करती है, क्या वह मृगाक्षी के लिए सही साबित हो सकती है? स्थिति का मूल्यांकन करते हुए अपने विचार लिखिए।

अथवा

(ख) दुनियाभर में असहिष्णुता लगभग आम हो गई है। जाति, धर्म, रंग और वैचारिक रूप से भिन्न दृष्टिकोण रखने वाले लोगों के प्रति असहिष्णुता की घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं। सहिष्णुता की परिभाषा पर विचार करें तो जिस विश्वास और प्रथा को हम पसंद नहीं करते उसमें बाधा डालने की बजाय संयम बरतना ही सहिष्णुता है।

कवि मैथिलीशरण गुप्त जी ने कहा, 'अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी।' इस पंक्ति की सार्थकता व वर्तमान समय में इसका औचित्य स्थापित कीजिए।

3. पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन के तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए— [3 × 2 = 6]

(क) कल भी उनके यहाँ गया था, लेकिन न तो वह कल ही कुछ कह सके और न आज ही। दोनों दिन उनके पास मैं देर तक बैठा रहा, लेकिन उन्होंने कोई बातचीत नहीं की। जब उनकी तबीयत के बारे में पूछा तब उन्होंने सिर

उठाकर एक बार मुझे देखा फिर सिर झुकाया तो दुबारा मेरी ओर नहीं देखा। हालांकि उनकी एक ही नजर बहुत कुछ कह गई। जिन यंत्रणाओं के बीच वह घिरे थे और जिस मन:स्थिति में जी रहे थे, उसमें आँखें ही बहुत कुछ कह देती हैं, मुँह खोलने की जरूरत नहीं पड़ती।

हरिहर काका की पंद्रह बीघे जमीन उनके लिए जी का जंजाल बन गई। कथन के आलोक में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) लेखक गुरदयाल सिंह अपने छात्र जीवन में छुट्टियों के काम को पूरा करने के लिए योजनाएँ तैयार करते थे। क्या आप की योजनाएँ लेखक की योजनाओं से मेल खाती हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(ग) वह तो जब डॉक्टर साहब की जमानत जब्त हो गई तब घर में जरा सन्नाटा हुआ और टोपी ने देखा कि इम्तहान सिर पर खड़ा है।

वह पढ़ाई में जुट गया। परन्तु ऐसे वातावरण में क्या कोई पढ़ सकता था? इसलिए उसका पास हो जाना ही बहुत था।

"वाह!" दादी बोलीं, "भगवान नजरे-बद से बचाए। रफ्तार अच्छी है। तीसरे बरस तीसरे दर्जे में पास तो हो गए।...."

टोपी जहीन होने के बावजूद कक्षा में दो बार फेल हो गया। जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियों से हार मान लेना कहाँ तक उचित है? टोपी जैसे बच्चों के विषय में आपकी क्या राय है?

खण्ड-'ख' **[26 अंक]**

4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए— 6

(क) आभासी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

संकेत बिन्दु— * आरम्भ कब और कैसे * लाभ-हानि, सावधानियाँ * स्थिति से सामंजस्य।

(ख) क्यों आवश्यक है सहनशीलता

संकेत बिन्दु—* सहनशीलता का अर्थ * इसकी आवश्यकता * नैतिक मूल्य एवं सुखद जीवन।

(ग) मेरे सपनों का भारत

संकेत बिन्दु—* कैसा है? * क्या अपेक्षा है * आपका कर्तव्य।

5. निम्नलिखित आप शौर्य/शारवी हैं। आपने अपने लिए ऑनलाइन पुस्तकें खरीदीं थीं। रुपये जमा हो गए परन्तु पुस्तकें प्राप्त नहीं हो सकीं। इस बात की शिकायत करते हुए सम्बन्धित अधिकारी को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। **5**

अथवा

आप सृष्टि/सार्थक हैं। बंगलुरु से चेन्नई शताब्दी एक्सप्रेस में यात्रा करते समय आपका कीमती सामान वाला बैग जल्दबाजी में गाड़ी में ही रह गया। आपके द्वारा की गई शिकायत से आपको अपना बैग वापस मिल गया। प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए किसी समाचार पत्र के सम्पादक को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

6. (क) आप निवासी कल्याण संघ (रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन) के अध्यक्ष रमेश सुब्रमण्यम हैं। अपने क्षेत्र के मुख्य पार्क में आयोजित होने वाले योग-शिविर के विषय में जानकारी देते हुए लगभग 50 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। **2.5**

अथवा

आप साहित्य संघ की सचिव सुपोरना चक्रवर्ती हैं। आपके क. ख. ग. विद्यालय में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित होने वाली है। इसके लिए एक सूचना लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

(ख) आप कक्षा दसवीं के लिओनार्ड/बर्नडैट हैं। विद्यालय के बास्केटबॉल मैदान में आपको एक घड़ी मिली है। इससे सम्बन्धित सूचना विद्यालय के सूचनापट्ट के लिए तैयार कीजिए, जिससे घड़ी खोने वाला छात्र उसे प्राप्त कर सके। यह सूचना लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। **2.5**

अथवा

आप अपने विद्यालय में इको क्लब के अध्यक्ष हैं। पर्यावरण दिवस के लिए आप विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहते हैं। इको क्लब के सभी सदस्यों की सभा इसी संदर्भ में आयोजित करने के लिए विद्यालय के सूचनापट्ट के लिए एक सूचना-पत्र लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

7. (क) स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सरकार की ओर से एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। **2.5**

अथवा

आपके विद्यालय में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है जिसमें हास्य कवि सुरेन्द्र शर्मा जी विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित हैं। इसका प्रचार-प्रसार करने के लिए लगभग 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

(ख) आपके क्षेत्र में निवासी कल्याण संघ (रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) द्वारा एक पुस्तकालय तैयार किया गया है जिसमें प्रत्येक आयु वर्ग के लिए पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। **2.5**

अथवा

आपकी कक्षा को विद्यालय के मेले के लिए हस्तनिर्मित सामग्री और चित्रों की प्रदर्शनी लगानी है। अपनी प्रदर्शनी के लिए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

8. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में लघुकथा लिखिए— 5

परोपकार का परिणाम

अथवा

अपूर्व संतोष

●●

OSWAAL BOOKS® LEARNING MADE SIMPLE

उत्तरमाला

खण्ड–'क'

[14 अंक]

1. **(क)** पर्वत में मनुष्य की भाँति भावनाएँ निहित हैं। तालाब या दर्पण एक संकेतक है कि पर्वत क्या महसूस कर रहा है। वह स्वयं को निहारकर अपने अंतर्निहित भावों को समझने का प्रयास करता है। वह अपने विशाल आकार को देखकर गर्वित होता है और अपने ऊपर खिले फूलों की शोभा को देखकर प्रसन्न हो रहा है। **2**

(ख) 'कर चले हम फिदा' कविता और 'कारतूस' एकांकी में एकसमान देशभक्ति का भाव निहित है। देश की एकता, अखंडता व सुरक्षा के लिए प्राण न्योछावर करने की भावना समाहित है। कविता में सैनिकों की कर्तव्य भावना का वर्णन है एवं एकांकी में वजीर अली के कारनामों से मातृभूमि के प्रति उसकी कर्तव्यनिष्ठता का पता चलता है। कविता और एकांकी पाठक के हृदय में देशभक्ति व कर्तव्य भावना को जगाती हैं। **2**

(ग) जाँबाज वज़ीर अली अत्यंत साहसी, वीर तथा पराक्रमी था। वह अवध के नवाब आसिफउद्दौला का बेटा था। वह जब स्वयं अवध के तख्त पर बैठा था, तो केवल पाँच महीने के शासन में ही उसने अवध के दरबार को अंग्रेज़ी प्रभाव से पूर्णतया मुक्त कर दिया था। उसके अंग्रेज विरोधी कार्यों को देखते हुए अंग्रेजों ने अपने षड्यंत्रों द्वारा उसे तख्त से हटाकर उसके पिता के भाई सआदत अली को नवाब घोषित कर दिया था। वजीर अली ने ऐसी विषम परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी तथा वह सदैव अंग्रेज़ों को खदेड़ने के लिए प्रयत्न करता रहा। वह लगातार अपने बहादुर सिपाहियों के साथ नेपाल की ओर बढ़ने का प्रयास कर रहा था ताकि वहाँ पहुँचकर वह अपनी शक्ति का विस्तार कर सके और अंग्रेज़ों को देश से बाहर कर सके। **2**

2. **(क)** 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ में 'झेन की देन' हमें जो सीख प्रदान करती है वह निश्चित रूप से मृगाक्षी के लिए सही साबित हो सकती है। झेन की देन में मानसिक रोग होने के विभिन्न कारणों में जीवन की अधिक रफ्तार, मानसिक तनाव, उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा आदि बताए गए हैं। अधिक से अधिक काम करना व कम समय में काम निपटाना, ऐसे कारणों से ही मानसिक तनाव बढ़ जाता है। यह रफ्तार दिमाग को रुग्ण कर देती है। हम अकेलेपन के शिकार हो जाते हैं और स्वयं से बातें करते हैं और लगातार बड़बड़ाते रहते हैं। मृगाक्षी के साथ भी ऐसा ही हुआ और जीवन में संतुलन न होने से वह बीमार हो गई। झेन की देन में 'टी-सेरेमनी' के माध्यम से वर्तमान का महत्व एवं सुख-चैन व आराम की ज़िंदगी के विषय में बताया गया है। भूतकाल एवं भविष्यत काल के मिथ्या होने को समझकर सहजता से जीते हुए कर्मरत रहकर, तनावरहित होकर हम स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकते हैं। **4**

अथवा

(ख) कवि मैथिलीशरण गुप्त ने अपनी कविता 'मनुष्यता' के द्वारा मानव जाति को प्रेरित किया है। वे मानव को सहिष्णुता, परमार्थ, विश्वबंधुत्व करुणा, उदारता, धैर्य, सहयोग आदि गुणों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। अधीर होकर भाग्यहीन होने से अच्छा है कि हम धैर्यवान बनें। मेलजोल, प्रेम व सौहार्द की भावना परस्पर होनी चाहिए तथा वैचारिक भिन्नता को बढ़ने नहीं देना चाहिए। हमें अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए तथा ईश्वर की प्राप्ति के लिए विभिन्न मार्गों को एक करके पारस्परिक मतभेदों को भुला देना चाहिए तथा तर्कों से परे ईश्वर के एक पंथ पर आगे बढ़ना चाहिए। परमात्मा का अस्तित्व सभी तर्कों से ऊपर है और हम सभी उनके अंश हैं। अत: इन सद्गुणों को अपनाते हुए मनुष्य को लोककल्याण पर बल देना चाहिए। **4**

3. **(क)** हरिहर काका और लेखक के बीच बहुत ही मधुर एवं आत्मीय सम्बन्ध थे। लेखक गाँव में जिन लोगों का सम्मान करते थे हरिहर काका उनमें से एक थे। हरिहर काका की आँखों में लेखक ने उस दुख को देखा जो रिश्तों की गर्माहट के भावों को नकारता हुआ तथा पांव पसारती हुई स्वार्थ लिप्सा और धर्म की आड़ में फलने-फूलने का अवसर पा रही हिंसा प्रवृत्ति को उजागर करता है।

ठाकुरबारी के महंत एवं हरिहर काका के भाइयों का एकमात्र उद्देश्य हरिहर काका की पंद्रह बीघे जमीन को हथियाना था। इसके लिए उन्होंने कई तरह के हथकंडे अपनाए और हरिहर काका पर बहुत जुल्म और अत्याचार किए। उनके विश्वास को ठेस पहुँचाई। ठाकुरबारी के महंत ने जबरदस्ती सादे कागज पर अँगूठे के निशान लिए, उन्हें मारा-पीटा तथा हाथ-पाँव और मुँह बांधकर कमरे में बंद कर दिया। हरिहर काका के भाइयों ने भी ऐसा ही किया। भौतिक सुखों की होड़, रिश्तों की अहमियत को औपचारिकता और आडंबर का जामा पहनाना इत्यादि के कारण हरिहर काका की पंद्रह बीघे जमीन उनके लिए जी का जंजाल बन गई थी। **3**

(ख) लेखक अपने छात्र जीवन में स्कूल से छुट्टियों में मिले काम को पूरा करने के लिए तरह-तरह की योजनाएँ बनाया करते थे। जैसे—हिसाब के मास्टर जी द्वारा दिए गए दो सौ सवालों को पूरा करने के लिए रोज दस सवाल निकाले जाने पर बीस दिन में पूरे हो जाएँगे, लेकिन खेल-कूद में छुट्टियाँ भागने लगतीं, तो मास्टर जी की पिटाई का डर

सताने लगता फिर लेखक रोज के पंद्रह सवाल पूरे करने की योजना बनाते, तब उसे छुट्टियाँ भी बहुत कम लगने लगती और दिन बहुत छोटे लगने लगते तथा स्कूल का भय भी बढ़ने लगता। ऐसे में लेखक पिटाई से डरने के बावजूद उन लोगों की भाँति बहादुर बनने की कल्पना करने लगते, जो छुट्टियों का काम पूरा करने की बजाय मास्टर जी से पिटाई खाना ही अधिक बेहतर समझते थे।
(छात्र-छात्राएँ अपने मतानुसार अपनी योजनाओं का वर्णन करेंगे।) **3**

(ग) ज़हीन (बुद्धिमान) होने के बावजूद भी टोपी नौवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया। उसकी पारिवारिक परिस्थितियाँ उसकी पढ़ाई में बाधा उत्पन्न करती थीं। जब भी वह पढ़ने बैठता तो बड़े भाई या माँ को कोई काम याद आ जाता, जो सिर्फ वही कर सकता था। छोटा भाई उसकी कॉपियाँ खराब कर दिया करता था। दूसरे साल उसे टाइफाइड हो गया। डॉक्टर भृगु नारायण चुनाव के लिए खड़े हो गए और घर में चुनावी माहौल छा गया परन्तु फिर उसने दृढ़निश्चय किया कि वह किसी भी तरह परीक्षा पास जरूर करेगा और उसने कर दिखाया। सच्ची लगन और दृढ़निश्चय से जो काम उसने तीसरे साल में किया उसे पहले साल में भी किया जा सकता था। परिस्थितियाँ सदैव हमारे अनुकूल नहीं होतीं परन्तु उनका सामना करके कर्तव्यपथ पर बढ़कर ही हम लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। **3**

खण्ड–'ख' **[26 अंक]**

4. (क) दिए गए तीन अनुच्छेदों में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लेखन–

भूमिका	1 अंक
विषय-वस्तु	4 अंक
भाषा	1 अंक

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22] 6

व्याख्यात्मक हल:आभासी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

संकेत-बिन्दु—● आरंभ कब और कैसे ● लाभ हानि और सावधानियाँ ● स्थिति में सामंजस्य

आभासी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में अधिगमकर्ता को भौतिक स्थान के बजाय एक आभासी सुविधा प्रदान की जाती है। यह सुविधा प्रतिकूल परिस्थितियों में डिजिटल के माध्यम से प्रदान की जाती है। आभासी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया छात्रों के लिए उपयोगी हैं इसमें छात्र किसी भी स्थान पर उपस्थित होकर अपनी गति से सीख सकते हैं। छात्र अपनी सुविधानुसार समय का चुनाव कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में अच्छे विषयविशेषज्ञों तथा अनुभवी अध्यापकों की सेवाओं का लाभ छात्रों तक पहुँचता है। इसमें नवीन तकनीकी सामग्री और माध्यमों के प्रयोग से शिक्षण-अधिगम रुचिकर हो जाता है। ऑनलाइन फीचर्स की वजह से आभासी शिक्षण काफी लाभदायक सिद्ध होता है। इसमें छात्रों को सभी सूचनाएँ आसानी से घर बैठे ऑनलाइन प्राप्त हो जाती हैं। विद्यार्थी अपने-अपने व्यवसायों में कार्यरत रहते हुए भी साथ-साथ अपना अध्ययन कार्य कर सकते हैं। इससे अध्यापकों तथा प्रशासनिक अधिकारियों का मूल्यवान समय और शक्ति की काफी बचत होती है। आभासी शिक्षण अधिगम वास्तविक शिक्षण अधिगम की तरह प्रभावशाली नहीं हो सकती है। इसके द्वारा छात्रों के शारीरिक, सामाजिक, संवेगात्मक तथा नैतिक विकास के अवसर उपलब्ध नहीं हो पाते हैं। उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास संभव नहीं हो पाता है। विषय के सैद्धांतिक पक्ष को आभासी शिक्षण द्वारा तथा प्रयोगात्मक पक्ष को वास्तविक शिक्षण द्वारा ही मनोवांछित सफलता प्रदान की जा सकती है।

(ख) क्यों आवश्यक है सहनशीलता

संकेत-बिन्दु—● सहनशीलता का अर्थ ● इसकी आवश्यकता ● नैतिक मूल्य एवं सुखद जीवन

सहनशीलता का शाब्दिक अर्थ है शरीर और मन की अनुकूलता को सहन करना। यह एक नैतिक मूल्य है जो दूसरों के प्रति, उनके विचारों, प्रथाओं या विश्वासों के प्रति पूर्ण सम्मान का बोध कराता है। आज हमारे जीवन में दुख और तनाव हावी हैं इसका परिणाम यह है कि हम थोड़े से कष्टों में शीघ्र घबरा जाते हैं, क्रोधित हो जाते हैं। जीवन में सुख और शान्ति के लिए सहनशील होना बहुत जरूरी है। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का जीवन सहनशीलता से परिपूर्ण था। वे प्राय: अपने प्रत्येक कार्य और व्यवहार में सहनशील बने रहते थे। वे समय के बेहद पाबंद थे और अपने मन, वचन व कर्म से कभी किसी को कष्ट नहीं पहुँचाते थे। इसीलिए वे जीवन में सफल रहे। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सहनशील बनें ताकि हमारे कर्म और व्यवहार से किसी को कष्ट न हो। सहनशीलता में बहुत ही नैतिक बल है, इसे अपनाकर जीवन सुखमय बन जाता है। इसके लिए अच्छे लोगों की संगति बहुत ज़रूरी है। सहनशीलता का गुण आ जाने से दोस्तों के बीच आदर होता है। तथा समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। सहनशीलता हमारे आदर्श चरित्र को गढ़ने में सहायक है। सत्कर्म के लिए आत्म-नियंत्रण और सहनशील होना बेहद आवश्यक है।

(ग) मेरे सपनों का भारत

संकेत-बिन्दु—● कैसा है ● क्या अपेक्षा है ● आपका कर्त्तव्य

मेरी कल्पना में भारत की एक उज्ज्वल छवि उभर कर आती है। मैं चाहता हूँ कि भारत दुनिया के महानतम देशों में से एक बने। सभी लोग कर्त्तव्यनिष्ठ हो। यह तभी संभव है, जब यहाँ के लोगों में पुरातन उच्च मूल्यों एवं आधुनिक श्रेष्ठ ज्ञान-विज्ञान का संतुलित रूप से समावेश हो। हमारे देश के लोग कार्य-कुशलता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। यहाँ से शोषण, भ्रष्टाचार, अशिक्षा और कमियों एवं

कुरीतियां की समाप्ति हो जाए, देश के लोग ईमानदार, कर्त्तव्यनिष्ठ एवं प्रगतिशील विचारों वाले हो यदि हम अपनी कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने में सफल रहे तो भारत विकसित एवं समृद्ध राष्ट्र बन जाएगा। हर तरह से खुशहाल एवं सुसंस्कृत भारत ही मेरे सपनों का भारत हैं हमारा कर्त्तव्य है कि हम भी ऐसा कार्य न करें जिससे देश की छवि धूमिल होती हो। हम अपनी प्राचीन महान संस्कृति से सीख लेकर मूल्यों एवं आदर्शों की पुनः स्थापना करें।

5. दिए गए दो पत्रों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लेखन :

आरंभ तथा अंत की औपचारिकताएँ	1 अंक
विषय-वस्तु	3 अंक
भाषा	1 अंक

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22] 5

व्याख्यात्मक हलः

सेवा में,

क.ख.ग. प्रकाशन

चाबड़ी बाजार, दिल्ली

दिनांक- 15/03/20XX

विषय—पुस्तकें नहीं मिलने के संबंध में।

महोदय,

मैंने दिनांक 05.02.20XX को कुछ पुस्तकें ऑनलाइन खरीदीं थीं तथा पुस्तकों के मूल्य 1000 रुपये डेबिड कार्ड के द्वारा भुगतान कर दिये थे। निर्धारित शर्तों के अनुसार दस दिनों के अंदर मुझे पुस्तकें मिल जानी चाहिए थीं। लेकिन करीब बीस दिन बीत गए अभी तक मुझे ऑनलाइन पुस्तकें प्राप्त नहीं हुई हैं। आपके कस्टमर केयर को फोन करके शिकायत दर्ज करा चुका हूँ। फोन करने पर जबाव मिलता है कि यथाशीघ्र पुस्तकें भिजवा दी जाएँगी। इन पुस्तकों की मुझे अत्यंत आवश्यकता है।

अतः आपसे अनुरोध है मुझे ऑनलाइन पुस्तकें यथाशीर्घ भिजवानें का कष्ट करें एवं देरी के कारणों की जाँच करवाकर उचित कार्यवाही भी करें ताकि आपकी कंपनी की छवि धूमिल न हो।

धन्यवाद।

शौर्य

वी-500, उत्तम नगर, नई दिल्ली **5**

अथवा

व्याख्यात्मक हलः

सेवा में,

श्रीमान संपादक महोदय

नवजागरण टाइम्स

लिंक रोड चेन्नई

दिनांक- 15/03/20XX

विषय—खोया हुआ बैग मिलने की सूचना

महोदय,

मैं सार्थक हूँ। पिछले हफ्ते मैं शताब्दी एक्सप्रेस द्वारा बंगलुरू से चेन्नई जा रहा था। स्टेशन आते ही मैं गाड़ी से उतर गया था लेकिन जल्दबाजी में मेरा बैग गाड़ी में ही रह गया। बैग में कुछ रुपए व कीमती सामान था। उक्त घटना का विवरण मैंने आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र में प्रकाशित करवाया था। इसका असर यह हुआ कि रेलवे पुलिस के अधिकारी हरकत में आ गए और त्वरित कार्यवाही की जिससे मेरा बैग सही हालत में मिल गया। बैग में सभी सामान सुरक्षित था।

मैं इस पत्र के माध्यम से नवजागरण टाइम्स के प्रबंधन का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

भवदीय

सार्थक

एम.के. कॉलोनी, चेन्नई **5**

6. क और ख प्रश्नों में दिए गए दो-दो विषयों में से **एक-एक** सूचना लगभग लगभग 50 शब्दों में (2.5 अंक की सूचना की जाँच के लिए अंक विभाजन):

औपचारिकताएँ	½ अंक
विषय-वस्तु	1½ अंक
भाषा	½ अंक

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22] 2.5

(क)

निवासी कल्याण संघ

सूचना

तिथि – 05.03.20XX

समय – प्रातः 6 बजे

विषयः योग-शिविर का आयोजन

'समर्थ' योग संस्था के सहयोग से दिनांक 07.03.20XX को रमेश नगर ग्रीन पार्क में योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसमें योग प्रशिक्षकों द्वारा योग की विभिन्न विधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। क्षेत्र के अधिकाधिक लोग इस योग-शिविर में शामिल होकर इसका लाभ उठाएँ।

रमेश सुब्रमण्यम

अध्यक्ष **2.5**

अथवा

साहित्य संघ, जयपुर
सूचना

दिनांक – 02.03.20XX

विषय: वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन।

विद्यालय के सभी छात्रों छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 04.03.20XX साहित्य संघ द्वारा विद्यालय के सभागार में एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषयहै ऑनलाइन कक्षा के लाभ-हानि। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी सचिव से संपर्क करें।

क.ख.ग
सुपोरना चक्रवर्ती
सचिव

2.5

(ख)

क.ख.ग. विद्यालय नोएडा

दिनांक – 01.03.20.....

विषय: घड़ी मिली है।

विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि बास्केटबॉल मैदान में एक घड़ी मिली है। इसे कार्यालय में जमा करा दिया गया है। जिस छात्र की घड़ी खो गई है, आवश्यक प्रमाण देकर अनुशासन अधिकारी से प्राप्त कर लें। केवल कार्यालय के समय में ही घड़ी प्राप्त की जा सकती है।

क.ख.ग
कक्षा दसवीं
लिओनार्ड/बर्नडेट

2.5

अथवा

क.ख.ग. विद्यालय, गाजियाबाद

दिनांक – 02.03.20.....

विषय: पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन।

विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि ईको क्लब के सहयोग से पर्यावरण दिवस के अवसर पर खेल के मैदान में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसमें भाषण प्रतियोगिता, खेलकूद प्रतियोगिता और वृक्षारोपण आदि शामिल है। इस दिन विद्यालय के सभी छात्रों की उपस्थिति आवश्यक हैं प्रत्येक विद्यार्थी को किसी-न-किसी कार्यक्रम में हिस्सा लेना जरूरी है।

अनुज कुमार
अध्यक्ष

2.5

7. क और ख प्रश्नों में दिए गए दो-दो विषयों में से **एक-एक** विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में (2.5 अंक के विज्ञापन की जाँच के लिए अंक विभाजन) :

विषय-वस्तु	1 अंक
प्रस्तुति	1 अंक
भाषा	½ अंक

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22] 2.5

(क) व्याख्यात्मक हल:

एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ भारत मिशन

''देश के विकास में हाथ बटाएँ
अपने घर आँगन को स्वच्छता से सजाएँ

सफाई रखें भरपूर
बीमारियों से रहें दूर।

- घरों के आस-पास स्वच्छता रखें।
- सदैव कचरा पात्र का उपयोग करें।
- सार्वजनिक व निजी स्थानों को साफ रखें।
- दीवारों पर न थूकें।

'स्वच्छ घर
'स्वच्छ भारत।''

भारत सरकार द्वारा जनहित में जारी।

2.5

अथवा

एक शाम हास्य कवि सुरेन्द्र शर्मा के नाम
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित

कवि सम्मेलन का आयोजन

प्रसिद्ध हास्य कवि सुरेन्द्र शर्मा (विशेष अतिथि)

गरिमामयी उपस्थिति

मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश सरकार

एवं अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि

स्थान - हाथरस रोड, लखनऊ

दिनांक: 4 मार्च, 20XX

समय: पूर्वाह्न 10.00 बजे

2.5

(ख)

खुल गया ! खुल गया ! खुल गया !

ज्ञान का खजाना
ज्ञानोदय पुस्तकालय

पुस्तकालय में जाते रहो, ज्ञान को बढ़ाते रहो

पुस्तकालय में सभी प्रकार की पुस्तकें व पत्र-पत्रिकाएँ उपलब्ध

राजनगर निवासी कल्याण संघ द्वारा स्थापित

समय प्रात: 8.00 बजे से सायं 7.00 बजे तक

रविवार को बंद

2.5

अथवा

पधारिए देखिए

हस्तनिर्मित सामग्री एवं चित्रों की प्रदर्शनी

प्रवेश नि:शुल्क

क ख ग विद्यालय, दिल्ली

सरस्वती कला दीर्घा

दिनांक: 06 मार्च, 20XX से 10 मार्च 20XX तक

समय: प्रात: 9.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक

हस्तनिर्मित सामग्री एवं चित्र बिक्री हेतु भी उपलब्ध रहेंगे।

निवेदक : आलोक अरोड़ा

संयोजक : निधि चावला

2.5

8. लघुकथा की शब्द सीमा लगभग 120 शब्द

विषय-वस्तु	2 अंक
प्रस्तुति	2 अंक
भाषा	1 अंक

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22] 5

व्याख्यात्मक हल:

परोपकार का परिणाम

दो मित्र थे। मयंक और अनुराग। दोनों एक ही कक्षा में पढ़ते थे। मयंक के पिता एक धनी व्यापारी

थे जबकि अनुराग बहुत निर्धन था। अनुराग के पिता रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। अनुराग पढ़ने में मेधावी था परंतु उसके पास न अच्छे कपड़े थे और न ही स्कूल की फीस भरने के पर्याप्त पैसे। मयंक उसकी स्थिति जानता था। इसलिए वह अक्सर अनुराग की सहायता करता था। जब भी उसे आर्थिक परेशानी होती; मयंक नि:स्वार्थ भाव से उसकी मदद कर देता था। दोनों ने स्कूल की पढ़ाई पूरी की और भाग्यवश अलग हो गए। अपनी लगन एवं मेहनत से अनुराग जिले का पुलिस प्रधान बन गया। मंयक अपने पिता के व्यापार में हाथ बँटाने लगा। एक दिन सुबह अनुराग अपने दफ्तर पहुँचा ही था कि एक युवक बदहवास-सा उसके पास आया। अनुराग ने उसे देखते ही पहचान लिया, अरे मयंक तुम! बताओ क्या बात है? मयंक रोने लगा। उसने कहा किसी बदमाश ने मेरे पिता का अपहरण कर लिया है। अनुराग ने उसे ढांढस बँधाया और अपनी जान पर खेलकर शीघ्र ही उसके पिता को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छुड़ा लिया। आज उसने मयंक द्वारा अपने प्रति किए गए उपकार का बदला चुका दिया था। दोनों मित्र वर्षों बाद गले मिलकर काफी प्रसन्न थे।

शिक्षा—हमें सभी की भलाई करनी चाहिए। **5**

अथवा

(ख) अपूर्व संतोष

मयंक नाश्ता करके अपना बैग हाथ में लिए घर से कार्यालय के लिए निकला। सीढ़ियों से उतरकर वह पेड़ के नीचे खड़ी अपनी कार की ओर बढ़ा तो उसे चीं-चीं की आवाज सुनाई दी। एक गौरेया का घायल बच्चा चीं-चीं करके शायद मदद माँग रहा था। वहाँ पर एक कुत्ता खड़ा उस घायल बच्चे को ललचाई नजरों से देख रहा था। मयंक समझ गया, उसने कुत्ते को दुत्कारकर दूर भगाया। फिर उसने आस-पास देखा तो पेड़ की टहनी पर गौरैया का घोंसला नजर आया। उस घोंसले में गौरैया के कुछ और बच्चे भी थे। मयंक ने गौरैया के घायल बच्चे के मुँह में पानी की बोतल से पानी की कुछ बूँदें डालीं और उसे हौले से उठाकर घोंसले में रख दिया। घोंसले के अन्य बच्चे खुशी से चहचहाने लगे। मयंक अपने मन में अपर्वू संतोष लिए कार में बैठा और ड्राइव करने लगा।

शिक्षा—दूसरों की मदद करने से हमें अपर्वू संतोष प्राप्त होता है। हमें सभी की सहायता करनी चाहिए। **5**

●●●

हल प्रश्न पत्र, 2021-22

हिंदी 'ब'

सत्र-I, Set-4

Series : JSK/2

प्रश्न पत्र
कोड : 004/2/4

निर्धारित समय : 90 मिनट

सामान्य निर्देश—

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल **55** प्रश्न दिये गए हैं जिनमें से केवल **40** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(ii) सभी प्रश्न समान अंक के हैं।

(iii) प्रश्न-पत्र में तीन खंड हैं— खंड—क, ख और ग।

(iv) खंड-क में **20** प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या **1** से **20** में से **10** प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

(v) खंड-ख में **21** प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या **21** से **41** में से **16** प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

(vi) खंड-ग में **14** प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या **42** से **55** तक सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

(vii) प्रत्येक खंड में निर्देशानुसार परीक्षार्थियों द्वारा पहले उत्तर किए गए वांछित प्रश्नों का ही मूल्यांकन किया जाएगा।

(viii) प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक ही सही विकल्प है। एक विकल्प से अधिक उत्तर देने पर अंक नहीं दिये जाएँगे।

(ix) ऋणात्मक अंकन नहीं होगा।

खण्ड–'क' [1×10=10]

(अपठित गद्यांश)

I. नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 5 = 5

'प्रबुद्ध भारत', दिसंबर 1898, को दिए एक साक्षात्कार में विवेकानंदजी ने बताया कि मैंने पृथ्वी के दोनों गोलार्धों का पर्यटन किया है। मेरा तो दृढ़ विश्वास है कि जिस जाति ने सीता को उत्पन्न किया, चाहे वह उसकी कल्पना ही क्यों न हो, उस जाति में स्त्री जाति के लिए इतना अधिक सम्मान और श्रद्धा है, जिसकी तुलना संसार में हो ही नहीं सकती। पाश्चात्य स्त्रियाँ ऐसे कई कानूनी बंधनों से जकड़ी हुई हैं, जिनसे भारतीय स्त्रियाँ सर्वथा मुक्त एवं अपरिचित हैं। भारतीय समाज में निश्चय ही दोष और अपवाद दोनों हैं। पर यही स्थिति पाश्चात्य समाज की भी है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि संसार के सभी भागों में प्रीति, कोमलता और साधुता को अभिव्यक्त करने के प्रयत्न चल रहे हैं। भारतीय स्त्री-जीवन में बहुत-सी समस्याएँ हैं और ये समस्याएँ बड़ी गंभीर हैं। परन्तु इनमें से कोई भी ऐसी नहीं हैं जो 'शिक्षा' रूपी मंत्र-बल से हल न हो सके। पर हाँ, शिक्षा की सच्ची कल्पना हममें से कदाचित ही किसी ने की हो। मैं मानता हूँ कि सच्ची शिक्षा वह है जिससे मनुष्य की मानसिक शक्तियों का विकास हो। वह शब्दों का केवल रटना मात्र न हो। यह व्यक्ति की मानसिक शक्तियों का ऐसा विकास हो जिससे वह स्वयमेव स्वतंत्रतापूर्वक विचार करके उचित निर्णय कर सके। भारतीय स्त्रियों को ऐसी शिक्षा दी जाए जिससे वे निर्भय होकर भारत के प्रति अपने कर्तव्य को भली-भाँति निभा सकें और संघमित्रा, लीला, अहिल्याबाई और मीरा आदि महान भारतीय देवियों की परंपरा को आगे बढ़ा सकें, 'वीर-प्रसूता' बन सकें।

1. गद्यांश में समस्त विश्व द्वारा किए जाने वाले किन प्रयत्नों का उल्लेख है? **1**

(a) स्त्रियों को धार्मिक-सामाजिक शिक्षा दिए जाने के लिए किए जाने वाले प्रयास।

(b) लोगों में प्रेम, सज्जनता एवं संवेदनशीलता के विकास के लिए किए गए प्रयास।

(c) मानव जाति को धर्म-राजनीति की शिक्षा हेतु किए जाने वाले प्रयास।

(d) समस्त समस्याओं का समाधान धर्म में तलाशने हेतु किए जाने वाले प्रयास।

2. "भारतीय समाज में निश्चय ही दोष और अपवाद दोनों हैं।" विवेकानंद ने ऐसा क्यों कहा? **1**

(a) भारतीय समाज में महिलाओं के शोषित और सशक्त दोनों रूप होने के कारण।

(b) भारतीय समाज में महिलाओं का बहुत अधिक शोषण होने के कारण।

(c) भारतीय समाज में महिलाओं के अत्यधिक धार्मिक होने के कारण।

(d) भारतीय समाज में महिलाओं के अत्यधिक अशिक्षित होने के कारण।

3. 'सच्ची शिक्षा' की परिकल्पना में शामिल नहीं है— 1

(a) धर्म-शिक्षा के माध्यम से सामाजिक समस्याओं का समाधान।

(b) महिलाओं की शिक्षा-प्राप्ति में समान रूप से भागीदारी।

(c) अभय, सजगता एवं कर्तव्यबोध के विकास हेतु शिक्षा।

(d) स्वतंत्र सोच एवं निर्णय क्षमता के विकास हेतु शिक्षा।

4. हर समस्या के समाधान का राम-बाण है— 1

(a) सर्व शिक्षा (b) स्त्री शिक्षा

(c) सामाजिक शिक्षा (d) राजनैतिक शिक्षा

5. 'वीर-प्रसूता' का आशय है— 1

(a) अपना निर्णय स्वयं लेने वाली

(b) परंपराओं का निर्वाह करने वाली

(c) वीरों को जन्म देने वाली

(d) कर्तव्य का बोध रखने वाली

अथवा

सोना तपने पर कंचन बनता है। ठीक यही बात आदमी के साथ भी है। हमारे धर्मग्रंथों में कहा गया है कि दुनिया में सबसे दुर्लभ आदमी का शरीर है। सारे प्राणियों में आदमी को ऊँचा माना गया है और वह इसलिए कि आदमी के पास बुद्धि है, विवेक है। संसार में जितनी चीज़ें आविष्कृत हुई हैं, सब बुद्धि के ज़ोर पर हुई हैं। आज हज़ारों मील की यात्रा घंटों में हो जाती है। यह सब आदमी की बुद्धि से ही संभव हुआ है। जिसके पास इतनी चीज़ें हों कि वह धन या दुनियादारी की चीज़ों के पीछे भटके, यह उचित नहीं है। बुद्धि का प्रयोग उसे बराबर आगे बढ़ने के लिए करना चाहिए। जिन्होंने ऐसा किया है, उन्होंने मानवता की बड़ी सेवा की है। उनका नाम अमर हो गया है। धन का खोट आदमी को तब मालूम होता है, जब वह खरा बनने लगता है। खरा बनने का अर्थ यह नहीं है कि इंसान घर-बार छोड़ दे, जंगल में चला जाए और भगवान के चरणों में लौ लगाकर बैठा रहे। बहुत-से लोग ऐसा करते भी हैं, पर यह रास्ता सबका रास्ता नहीं है। दुनिया में ज़्यादातर लोगों का वास्ता अपने घर के लोगों से ही नहीं, दूसरों के साथ भी पड़ता है। उत्तम पुरुष वह है, जो अपनी बुराइयों को दूर करता है और नीति का जीवन बिताते हुए अपने देश और समाज में काम आता है, सबसे प्रेम करता है और सबके सुख-दु:ख में काम आता है।

6. बुद्धि-विवेक का प्रयोग किस कार्य में होना चाहिए? 1

(a) सफर को आसान बनाने वाली खोजों में।

(b) अधिक से अधिक धन-दौलत जुटाने में।

(c) निरंतर स्वयं का विकास करते रहने में।

(d) भौतिक सुख-सुविधाओं को प्राप्त करने में

7. सभी प्राणियों में मानव को सर्वश्रेष्ठ क्यों माना गया है? 1

(a) उसके पास मौजूद बुद्धि और विवेक के कारण।

(b) पशुओं से भिन्न विशेष शारीरिक संरचना के कारण।

(c) उसके पास मौजूद धन और दौलत के कारण।

(d) उसके द्वारा की गई विविध खोजों के कारण।

8. धन की निरर्थकता का अहसास कब होता है? 1

(a) जब उससे मनचाही वस्तु नहीं मिल पाती है।

(b) घर-संसार का त्याग कर संन्यास ग्रहण करने पर।

(c) यह पता चलने पर कि इससे प्राप्त सुख वास्तविक नहीं है।

(d) यह पता चलने पर कि इनकी मौजूदगी खतरे का कारण है।

9. धर्मग्रंथ किसे दुर्लभ बताते हैं? 1

(a) अमर होने को (b) बुद्धि-विवेक को

(c) भौतिक उपलब्धि को (d) मानव तन को

10. 'श्रेष्ठ' कौन है? 1

(a) प्रेम और मानवता में विश्वास करने वाला।

(b) निरंतर अपना आर्थिक विकास करने वाला।

(c) भक्ति और शक्ति में विश्वास करने वाला।

(d) निरंतर अपना शैक्षणिक विकास करने वाला।

II. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— $1 \times 5 = 5$

मध्यप्रदेश के देवास जनपद में लोगों के संकल्प और पुरुषार्थ से 1067 तालाब बनाए गए। पर्याप्त संख्या में तालाब न होने से मध्यप्रदेश में पानी की कमी बनी रहती है लेकिन देवास में पानी की किल्लत खत्म हो गई है। ऐसा ही संकल्प अगर देश के हर गाँव और कस्बे में रहने वाले लोगों में आ जाए तो पानी को लेकर हाहाकार की स्थिति किसी गाँव में नहीं होगी। परंपरागत तालाब संस्कृति को पुनर्जीवित किए बिना हर गाँव में तालाब संस्कृति का पुनर्वास नहीं हो सकता। आज देश के 254 जिलों मे पानी की भारी किल्लत है। इससे यहाँ की आबादी को उसकी जरूरत के मुताबिक पानी नहीं मिल पा रहा है। पानी का अत्यधिक दोहन और पानी की खपत बढ़ने के कारण पिछले 30-40 वर्षों में पानी की समस्या तेज़ी से बढ़ी है। एक तरफ तो पानी की प्रति व्यक्ति की माँग निरंतर बढ़ती जा रही है वहीं दूसरी ओर देश की आबादी भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में पानी की माँग बढ़ेगी और उसकी उपलब्धता कम होती जाएगी। केंद्रीय मौसम विज्ञान के अनुसार देश की कुल वार्षिक वर्षा 1170 मि.मी. होती है, वह भी महज तीन महीने में, लेकिन इस अकूत पानी का इस्तेमाल हम महज़ 20% ही कर पाते हैं अर्थात् 80% पानी बिना इस्तेमाल यों ही बह जाता है। अगर बरसात के पानी को संरक्षित करने की योजना पर अमल करें तो पानी की कमी से ही छुटकारा नहीं मिलेगा बल्कि पानी को लेकर होने वाली राजनीति से भी हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाएगा।

11. जल को लेकर होने वाली राजनीति को कैसे दूर किया जा सकता है? **1**

(a) जल को लेकर कोरी राजनीति करके।

(b) जल को लेकर राजनीति न करके।

(c) जल संबंधी कानूनों का निर्माण करके।

(d) जल संरक्षण की योजना पर अमल करके।

12. देवास निवासियों की जल-समस्या का समाधान हुआ— **1**

(a) जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से तालाबों का निर्माण करके।

(b) जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से धरना-प्रदर्शन करके।

(c) जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से राजनीति करके।

(d) जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से कानून-निर्माण करके।

13. वार्षिक वर्षा का कितना प्रतिशत जल बर्बाद हो जाता है? **1**

(a) 80 प्रतिशत **(b)** 20 प्रतिशत

(c) 30 प्रतिशत **(d)** 40 प्रतिशत

14. देश की जल संबंधी समस्या का सर्वोपयुक्त समाधान है— **1**

(a) वर्षा के जल को संरक्षित करने की योजना बनाना।

(b) वर्षा के जल को संरक्षित करने हेतु कानून बनाना।

(c) वर्षा के जल को संरक्षित करने पर विचार-विमर्श करना।

(d) वर्षा के जल को संरक्षित करने की योजना पर अमल करना।

15. निम्नलिखित में से क्या, जल की बढ़ती किल्लत का कारण नहीं है? **1**

(a) जल की बढ़ती खपत **(b)** देश की बढ़ती आबादी

(c) तालाबों का संरक्षण **(d)** जल का अत्यधिक दोहन

अथवा

ईश्वर का नाम लेकर उस पर विश्वास कर हम मन में शक्ति का एकीकरण कर कार्यरत होते हैं। हमारा विश्वास मज़बूत होता है कि हमारे साथ ईश्वर है। हम इस कार्य में सफल होंगे। आत्मविश्वास को दृढ़ बनाने के लिए ईश्वर का अस्तित्व बनाया गया है। इसके साथ-साथ 'ईश्वर' की कल्पना मनुष्य को भयभीत भी करती है। एकांत में भी मनुष्य कोई पाप या गलत काम न कर सके, इसी आधार पर उसे सर्वव्यापी, सर्वद्रष्टा बतलाया गया है। कण-कण में उसका निवास माना गया है। मनुष्य पर नियंत्रण रखने के लिए किसी-न-किसी शक्ति की आवश्यकता तो है ही। इसी आधार पर ईश्वर की संकल्पना की गई और इसी प्रकार असफलताओं को रोकने के लिए, अपने दोष पर परदा डालने के लिए 'भाग्य' की भी कल्पना की गई। हम स्वयं अपने भाग्य विधाता हैं। जैसा कार्य करेंगे, वैसा फल पाएँगे। अतएव भाग्य को आप दोष न दें। चींटी को देखें। वह कितनी बार चढ़ती-गिरती है। अगर वह भाग्यवादी होती तो फिर चढ़ ही न पाती। निरंतर प्रयास करके ही वह सफल होती है। वह भाग्य पर निर्भर नहीं, कर्म करके दिखलाती है। इस कारण बराबर कार्य में लगे रहें। सफलता हाथ आए या फिर असफलता ..., सफलता पर प्रसन्न होकर अपनी प्रगति धीमी न करें। असफलता पर घबराकर या निराश होकर मैदान छोड़कर न भागें। अपना कार्य बराबर आगे बढ़ाते रहें। जो उद्यम करते हैं, परिश्रमरत रहते हैं, निरंतर अपने कदम का ध्यान रखते हैं, वे अवश्य ही जो भी इच्छा करते हैं, पा जाया करते हैं।

16. अकर्मण्य अपनी असफलता का कारण किसे मानते हैं? **1**

(a) ईश्वर को **(b)** दुर्भाग्य को

(c) सौभाग्य को **(d)** परिश्रम को

17. मनुष्य का भाग्य विधाता कौन है? **1**

(a) उसके अपने कर्म **(b)** उसका अपना भाग्य

(c) उसकी अपनी शिक्षा **(d)** उसका अपना ज्ञान

18. ईश्वर की संकल्पना क्यों की गई है? **1**

(a) हमें कुमार्ग पर जाने से रोकने के लिए।

(b) हमें पुण्य करने का महत्त्व समझाने के लिए।

(c) हमें भाग्य में विश्वास करना सिखाने के लिए।

(d) जीवन में डर-डर कर आगे बढ़ने के लिए।

19. चींटी हमें क्या संदेश देती है? **1**

(a) उठने के लिए गिरना आवश्यक है।

(b) सफलता बार-बार गिरने से मिलती है।

(c) सफलता हेतु सतत प्रयास आवश्यक है।

(d) गिरने के लिए उठना आवश्यक है।

20. गद्यांश में समर्थन किया गया है— **1**

(a) धर्मवाद का। **(b)** ईश्वरवाद का।

(c) भाग्यवाद का। **(d)** कर्मवाद का।

खण्ड-'ख' [1×16=16]

(व्यावहारिक व्याकरण)

III. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 4 = 4

21. 'कमरे में आते ही भाई साहब का वह रौद्र रूप देखकर प्राण सूख जाते।'—रेखांकित पदबंध है— **1**

(a) सर्वनाम पदबंध **(b)** विशेषण पदबंध

(c) संज्ञा पदबंध **(d)** क्रियाविशेषण पदबंध

22. 'सुलेमान उनकी बातें सुनकर थोड़ी दूर पर रुक गए।'—इस वाक्य में क्रिया पदबंध है— **1**

(a) उनकी बातें सुनकर **(b)** थोड़ी दूर पर

(c) रुक गए **(d)** बातें सुनकर थोड़ी दूर

23. 'उसने तताँरा को तरह-तरह से अपमानित किया।'—इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का प्रकार है— **1**

(a) विशेषण पदबंध **(b)** क्रियाविशेषण पदबंध

(c) सर्वनाम पदबंध **(d)** क्रिया पदबंध

24. 'फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया।'—रेखांकित पदबंध का भेद है— **1**

(a) संज्ञा पदबंध **(b)** सर्वनाम पदबंध

(c) क्रिया पदबंध **(d)** विशेषण पदबंध

25. 'वह तलवार को अपनी तरफ़ खींचते-खींचते दूर तक पहुँच गया।'—रेखांकित पदबंध का भेद छाँटिए। **1**

(a) क्रिया पदबंध **(b)** विशेषण पदबंध

(c) क्रियाविशेषण पदबंध **(d)** सर्वनाम पदबंध

IV. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 4 = 4

26. निम्नलिखित में से उपयुक्त सरल वाक्य छाँटिए— **1**

(a) जो कुछ पढ़ो, उसका अभिप्राय समझो।

(b) भाई साहब उपदेश देने की कला में निपुण थे।

(c) मैं उनकी लताड़ सुनता और आँसू बहाने लगता।

(d) वे तो वही देखते हैं जो पुस्तक में लिखा है।

27. 'खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं।'—रचना की दृष्टि से वाक्य है— **1**

(a) सरल वाक्य **(b)** संयुक्त वाक्य

(c) मिश्र वाक्य **(d)** संकेतवाचक वाक्य

28. 'नूह ने उसकी बात सुनी और दु:खी हो मुद्दत तक रोते रहे।'—इस वाक्य का सरल वाक्य के रूप में रूपांतरित वाक्य है— **1**

(a) जब नूह ने उसकी बात सुनी तब वे दु:खी हो गए और मुद्दत तक रोते रहे।

(b) नूह उसकी बात सुनकर दु:खी हो मुद्दत तक रोते रहे।

(c) नूह ने दु:खी होकर उसकी बात सुनी और मुद्दत तक रोते रहे।

(d) चूँकि नूह ने उसकी बात सुनी इसलिए वे दु:खी हो मुद्दत तक रोते रहे।

29. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य है— **1**

(a) संसार की रचना कैसे भी हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है।

(b) सहसा नारियल के झुरमुटों में उसे एक आकृति कुछ साफ हुई।

(c) बार-बार ततहाँ का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता था।

(d) मेरे जीवन में यह पहली बार है कि मैं इस तरह से विचलित हुआ हूँ।

30. 'सालाना इम्तिहान में मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया।' रूपांतरित करने पर इस वाक्य का मिश्र वाक्य होगा— **1**

(a) सालाना इम्तिहान में मैं पास होकर दरजे में प्रथम आया।

(b) सालाना इम्तिहान हुआ, मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया।

(c) मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया क्योंकि सालाना इम्तिहान हुआ।

(d) जब सालाना इम्तिहान हुआ तो मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया।

V. निम्नलिखित छह प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 4 = 4

31. 'नरहरि' शब्द किस समास का उदाहरण है? **1**

(a) अव्ययीभाव समास **(b)** द्विगु समास

(c) तत्पुरुष समास **(d)** कर्मधारय समास

32. तत्पुरुष समास का उदाहरण है— **1**

(a) थोड़ा-बहुत **(b)** आगे-पीछे

(c) परिंदे-चरिंदे **(d)** शब्द-रचना

33. अव्ययीभाव समास का उदाहरण नहीं है— **1**

(a) बेवक्त **(b)** बेहतर

(c) बेकार **(d)** बेराह

34. 'आँचरहित' शब्द के लिए सही समास विग्रह है— **1**

(a) आँच से रहित **(b)** आँच और रहित

(c) आँच में रहित **(d)** रहित आँच के

35. उत्तर पद प्रधान होता है— **1**

(a) बहुव्रीहि समास का **(b)** अव्ययीभाव समास का

(c) द्वंवद्वव समास का **(d)** तत्पुरुष समास का

36. 'शब्दहीन' शब्द के लिए सही समास विग्रह और भेद का चयन कीजिए— **1**

(a) शब्द है जो हीन — कर्मधारय

(b) हीन है जो शब्द — तत्पुरुष

(c) शब्द से हीन — कर्मधारय

(d) शब्द से हीन — तत्पुरुष

VI. निम्नलिखित पाँच में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 4 = 4

37. 'निराशा के बादल छँटना'—मुहावरे का सही अर्थ है— **1**

(a) कुछ अच्छा होना **(b)** परेशान होना

(c) उदासी दूर होना **(d)** दु:खी हो जाना

38. 'व्यंग्य करना' वाक्यांश के लिए उपयुक्त मुहावरा है— **1**

(a) सूक्ति बाण चलाना **(b)** आड़े हाथों लेना

(c) दाँतों पसीना आना **(d)** बहुत फज़ीहत करना

39. ईश्वर को पाने के लिए .....ही पड़ता है।—रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए। **1**

(a) बेराह चलना **(b)** आपा खोना

(c) मुँह की खाना **(d)** लोहा मानना

40. मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए। **1**

(a) घुड़कियाँ खाना— साहस प्राप्त होना

(b) तलवार खींचना—सब कुछ नष्ट करना

(c) पन्ने रंगना—व्यर्थ में लिखना

(d) आग-बबूला होना—अपने वश में रहना

41. 'आटे-दाल का भाव मालूम होना' मुहावरे का अर्थ है— **1**

(a) किसी को सबक सिखना

(b) कठिनाइयों का ज्ञान होना

(c) चीज़ों के भाव पता चलना

(d) खरीदारी के गुरों का ज्ञान होना

खण्ड–'ग' [1×14=14]

(पाठ्यपुस्तक)

VII. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 4 = 4

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।
सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देखा माँहि।।
पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोई।
ऐकै अषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होइ।।

42. 'जब मैं था' में "मैं" किसका प्रतीक है? **1**
(a) कवि **(b)** ईश्वर
(c) जगत **(d)** अहंकार

43. कवि ने सच्चा ज्ञानी किसे माना है? **1**
(a) जो बहुत अधिक शिक्षित हो
(b) जो बिलकुल ही अशिक्षित हो
(c) जो धार्मिक नियमों को माने
(d) जो सबके प्रति प्रेम-भाव रखे

44. ईश्वर-ज्ञान कैसे संभव है? **1**
(a) भक्ति-भाव पूर्ण भजन से **(b)** तीर्थ यात्रा पर जाने से
(c) पर्याप्त दान-पुण्य करने से **(d)** अहंकार के नष्ट होने से

45. निम्नलिखित कथनों में से सत्य कथन छाँटिए— **1**
(a) ईश्वर और अज्ञान का निवास साथ-साथ ही होता है।
(b) ईश्वर और मैं—भाव साथ-साथ निवास नहीं कर सकते।
(c) ईश्वर और अहंकार में परस्पर विरोध भाव नहीं है।
(d) ईश्वर और अहंकार में परस्पर सहयोग का भाव होता है।

VIII. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 5 = 5

वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाज़ा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्‌भुत साहसी युवक था। किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, सभ्य, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।

46. वामीरो के लिए तताँरा को भूलना क्यों आवश्यक था? **1**
(a) तताँरा से मिलकर उसका मन बेचैन हो गया था।
(b) तताँरा ने उसे गीत गाने को विवश किया था।
(c) वह उसके जीवन-साथी की कल्पना पर खरा नहीं था।
(d) दूसरे गाँव के युवक से संबंध रखना परंपरा के विरुद्ध था।

47. वामीरो घर पहुँचकर कैसा महसूस कर रही थी? **1**
(a) आह्लादित **(b)** संयत
(c) संकुचित **(d)** असहज

48. 'तताँरा से मुक्त होने की झूठी छटपटाहट' का आशय है— **1**
(a) सहानुभूति और दिखावे के लिए मुक्त होने का दिखावा करना।
(b) वह सचमुच ही तताँरा की यादों से मुक्त होना चाहती थी।
(c) उसे तताँरा के तरीके और बातों पर गुस्सा आ रहा था।
(d) वह तताँरा के तौर-तरीके से बहुत अधिक प्रभावित थी।

49. वामीरो की कल्पना वाला तताँरा कैसा था? **1**
(a) अद्‌भुत - साहसी **(b)** सभ्य - भोला
(c) भोला - शांत **(d)** सुंदर - सभ्य

50. गाँव की क्या परंपरा थी? **1**
(a) अपने गाँव के युवक से संबंध-निषेध की।
(b) दूसरे गाँव के युवक से संबंध-निषेध की।
(c) तताँरा जैसे युवक के साथ संबंध-निषेध की।
(d) याचक जैसे युवक के साथ संबंध-निषेध की।

IX. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए— 1 × 5 = 5

बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के एक पैगंबर का ज़िक्र मिलता है। उनका असली नाम लशकर था। लेकिन अरब में उन्हें नूह के लकब से याद किया जाता है। वह इसलिए कि वह सारी उम्र रोते रहे। इसका कारण एक ज़ख्मी कुत्ता था। नूह के सामने से एक बार एक घायल कुत्ता गुज़रा। नूह ने उसे दुत्कारते हुए कहा, 'दूर हो जा गंदे कुत्ते!' इस्लाम में कुत्तों को गंदा समझा जाता है। कुत्ते ने उनकी दुत्कार सुनकर जवाब दिया, 'न मैं अपनी मर्ज़ी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इंसान हो। बनाने वाला सबका तो वही एक है।'

मट्‌टी से मट्‌टी मिले, खो के सभी निशान।
किसमें कितना कौन है, कैसे हो पहचान।

नूह ने जब उसकी बात सुनी तब दु:खी हो मुद्‌दत तक रोते रहे। 'महाभारत' में युधिष्ठिर का जो अंत तक साथ निभाता नज़र आता है, वह भी प्रतीकात्मक रूप में एक कुत्ता ही था।

51. सभी जीवों का जन्म किसकी मर्ज़ी से होता है? **1**
(a) स्वयं की **(b)** धर्म की
(c) कर्म की **(d)** ईश्वर की

52. नूह सारी उम्र क्यों रोते रहे? **1**
(a) लशकर होने के कारण **(b)** पैगंबर होने के कारण
(c) प्रायश्चित-भाव के कारण **(d)** अस्वस्थ होने के कारण

53. गद्यांश का संदेश है— **1**
(a) हमें सबके प्रति असंवेदनशील होना चाहिए।
(b) हमें सबके प्रति संवेदनशील होना चाहिए।
(c) हमें किसी गलती के लिए ताउम्र रोना चाहिए।
(d) ताउम्र रोना ही सही मायने में प्रायश्चित है।

54. 'मट्‌टी से मट्‌टी मिले, खोकर सभी निशान' का आशय है— **1**
(a) मृत्युपरांत सभी जीवों का निजी अस्तित्व समाप्त हो जाता है।
(b) मिट्‌टी, मिट्‌टी में ही मिलाई जा सकती है।
(c) सभी जीवों का निर्माण मिट्‌टी से नहीं हुआ है।
(d) सभी जीवों का अस्तित्व स्वयं उसके वश में है।

55. नूह ने कुत्ते को क्यों दुत्कारा? **1**
(a) वह उनसे अधिक ज्ञानी था।
(b) वह उन्हें काफी खतरनाक लगा।
(c) उन्हें कुत्ते पसंद नहीं थे।
(d) वे कुत्ते को गंदा मानते थे।

❑❑❑

उत्तरमाला

खण्ड–'क'

(अपठित गद्यांश)

I. 1. **(b)** लोगों में प्रेम, सज्जनता एवं संवेदनशीलता के विकास के लिए किए गए प्रयास।

व्याख्या—क्योंकि विवेकानंद जी ने संसार के सभी भागों में प्रीति, कोमलता और साधुता को अभिव्यक्त करने के प्रयत्न चल रहे हैं, बताया है।

2. **(a)** भारतीय समाज में महिलाओं के शोषित और सशक्त दोनों रूप होने के कारण।

व्याख्या—क्योंकि यहाँ दोनों प्रकार शोषित और सशक्त की महिलाएँ हैं।

3. **(a)** धर्म-शिक्षा के माध्यम से सामाजिक समस्याओं का समाधान।

व्याख्या—विवेकानंद के अनुसार सच्ची शिक्षा से मनुष्य की मानसिक शक्तियों का विकास होता है न कि धर्मशिक्षा से।

4. **(a)** सर्व शिक्षा

व्याख्या—सभी समस्यों का समाधान शिक्षा से ही होता है।

5. **(c)** वीरों को जन्म देने वाली

व्याख्या—वीर प्रसूता का अर्थ वीरों को जन्म देने वाली माता होता है।

अथवा

6. **(c)** निरंतर स्वयं का विकास करते रहने में।

व्याख्या—बुद्धि के प्रयोग से ही हम आगे बढ़ते हैं न कि भौतिक सुख-सुविधाओं और सफर को आसान बनाने के लिए।

7. **(a)** उसके पास मौजूद बुद्धि और विवेक के कारण।

व्याख्या—क्योंकि मानव के पास ही सोचने-समझने की क्षमता है जो कि बुद्धि और विवेक के कारण ही उत्पन्न होती है।

8. **(c)** यह पता चलने पर कि इससे प्राप्त सुख वास्तविक नहीं है।

व्याख्या—क्योंकि धन से भौतिक सुख-सुविधाएँ तो प्राप्त हो सकती हैं परंतु मानसिक सुख नहीं, अत: धन से सब सुखों की प्राप्ति नहीं होती।

9. **(d)** मानव तन को

व्याख्या—धर्मग्रंथों में आदमी को ही ऊँचा माना गया है इसलिए मानव तन दुर्लभ है।

10. **(a)** प्रेम और मानवता में विश्वास करने वाला।

व्याख्या—लेखक के अनुसार सबसे प्रेम करने वाला और सबके सुख दु:ख में काम आने वाला ही उत्तम है।

II. 11. **(d)** जल संरक्षण की योजना पर अमल करके।

व्याख्या—यदि सरकार बरसात के पानी को संरक्षित करने की योजना पर ज़ोर देगी तो पानी से होने वाली राजनीति दूर हो सकती है।

12. **(a)** जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से तालाबों का निर्माण करके।

व्याख्या—देवास जनपद में लोगों के संकल्प और पुरुषार्थ से पर्याप्त मात्रा में तालाब बनाने से जल समस्या का समाधान हुआ।

13. **(a)** 80 प्रतिशत

व्याख्या—समय से जल संरक्षण न करने से बरसात का 80 प्रतिशत पानी बर्बाद हो जाता है।

14. **(d)** वर्षा के जल को संरक्षित करने की योजना पर अमल करना।

15. **(c)** तालाबों का संरक्षण

व्याख्या—क्योंकि पानी की बढ़ती कमी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या और जल की खपत और दोहन हैं न कि तालाब का संरक्षण।

अथवा

16. **(b)** दुर्भाग्य को

व्याख्या—अकर्मण्य अपनी असफलता का कारण अपने भाग्य को देते हैं।

17. **(a)** उसके अपने कर्म

व्याख्या—जैसा करेंगे वैसा ही फल पाएँगे। अत: हमारे कर्म ही हमारा भाग्य हैं।

18. **(a)** हमें कुमार्ग पर जाने से रोकने के लिए।

व्याख्या—ईश्वर के डर से ही मनुष्य कोई भी गलत कार्य नहीं करता है।

19. **(c)** सफलता हेतु सतत प्रयास आवश्यक है।

व्याख्या—क्योंकि केवल चींटी ही है जो बारबार गिरकर भी हार नहीं मानती और अपना प्रयास जारी रखती है।

20. **(d)** कर्मवाद का।

व्याख्या—लेखक ने संपूर्ण गद्यांश में कर्म अर्थात परिश्रम को ही महत्त्व दिया है।

खण्ड–'ख'

(व्यावहारिक व्याकरण)

III. 21. **(b)** विशेषण पदबंध

व्याख्या—पदबंध में एक से अधिक पद मिलकर एक व्याकरणिक इकाई का काम करते हैं तो इस पूरे वाक्य में रेखांकित वाक्य भाई साहब की विशेषता में बता रहा है अत: यहाँ विशेषण पदबंध है।

22. **(c)** रुक गए

व्याख्या—इस वाक्य में सुलेमान चीटियों की बातें सुनकर रुक गए अत: रुक गए क्रिया पदबंध है।

23. **(b)** क्रियाविशेषण पदबंध

व्याख्या—क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द को क्रियाविशेषण कहते हैं।
अत: ततौंरा को अपमानित किया में रेखांकित वाक्य ''तरह -तरह'' क्रियाविशेषण पदबंध है।

24. **(d)** विशेषण पदबंध

व्याख्या—इस वाक्य में पदसमूह 'फैलते हुए प्रदूषण' ये पदबंध की विशेषता बता रहा है जो कि एक संज्ञा शब्द है। इसलिए यहाँ पर विशेषण पदबंध होगा।

25. **(c)** क्रियाविशेषण पदबंध

व्याख्या—क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द को क्रियाविशेषण कहते हैं।
अत: यहाँ पर रेखांकित वाक्य में क्रियाविशेषण पदबंध है।

IV. 26. **(b)** भाई साहब उपदेश देने की कला में निपुण थे।

व्याख्या—क्योंकि सरल वाक्य में एक ही कर्त्ता, एक ही विधेय होता है।

27. **(a)** सरल वाक्य

व्याख्या—क्योंकि इस वाक्य में भी एक कर्त्ता और एक विधेय है।

28. **(b)** नूह उसकी बात सुनकर दु:खी हो मुद्दत तक रोते रहे।

व्याख्या—क्योंकि सरल वाक्य में संयोजक शब्द ''और'' नहीं होता है।

29. **(a)** संसार की रचना कैसे भी हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है।

व्याख्या—संयुक्त वाक्य में संयोजक शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

30. **(d)** जब सालाना इम्तिहान हुआ तो मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया।

व्याख्या—मिश्र वाक्य में एक प्रधान वाक्य होता हैं और दूसरे वाक्य उस पर आश्रित होते हैं।

V. 31. **(d)** कर्मधारय समास

व्याख्या—नरहरि का समास विग्रह ''नर जैसा हरि'' अत: यहाँ कर्मधारय समास है।

32. **(d)** शब्द-रचना

व्याख्या—हाँ शब्द- रचना में षष्ठी तत्पुरुष समास है शेष में नहीं।

33. **(b)** बेहतर

व्याख्या—शेष शब्दों में अव्ययीभाव समास है केवल बेहतर में नहीं है।

34. **(a)** आँच से रहित

व्याख्या—आँचरहित = आँच से रहित।

35. **(d)** तत्पुरुष समास का

व्याख्या—परिभाषा के अनुसार तत्पुरुष समास में उत्तर-पद प्रधान होता है।

36. **(d)** शब्द से हीन – तत्पुरुष

व्याख्या—'हीन' शब्द पंचम तत्पुरुष समास में आता हैं तो शब्द से हीन तत्पुरुष समास है।

VI. 37. **(c)** उदासी दूर होना

व्याख्या—निराशा के बादल छँटना मुहावरे का सही अर्थ दु:खों को दूर करना होता है।

38. **(a)** सूक्ति बाण चलाना

व्याख्या—सूक्ति बाण चलाना के लिए सही अर्थ व्यंग्य करना है।

39. **(b)** आपा खोना

व्याख्या—ईश्वर को पाने के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करना पड़ता है। अत: आपा खोना ही सही मुहावरा है।

40. **(c)** पन्ने रंगना—व्यर्थ में लिखना

व्याख्या—यहाँ मुहावरा और उसका अर्थ उत्तर **(c)** का मिल रहा है।

41. **(b)** कठिनाइयों का ज्ञान होना

व्याख्या—आटे दाल का भाव मालूम होना मुहावरे का सही अर्थ है कठिनाइयों का ज्ञान होना।

खण्ड–'ग'

(पाठ्यपुस्तक)

VII. 42. **(d)** अहंकार

व्याख्या—इन पंक्तियों में कबीरदास जी ने ''मैं'' का संबंध अपने मन के घमंड से बताया है।

43. **(d)** जो सबके प्रति प्रेम-भाव रखे

व्याख्या—कवि कबीरदास जी ने ऐसे व्यक्ति को सच्चा ज्ञानी बताया हैं जो सबके प्रति प्रेम और समानता का भाव रखे उसे सच्चा ज्ञानी माना है।

44. **(d)** अहंकार के नष्ट होने से

व्याख्या—ईश्वर का ज्ञान मन के अंदर के अहंकार के खत्म होने से ही प्राप्त होता है।

45. **(b)** ईश्वर और मैं—भाव साथ-साथ निवास नहीं कर सकते।

व्याख्या—ईश्वर और अहंकार एक साथ एक ही जगह पर नहीं रहते।

VIII 46. **(d)** दूसरे गाँव के युवक से संबंध रखना परंपरा के विरुद्ध था।

व्याख्या—अंडमान और निकोबार द्वीप में एक जनजाति दूसरी जनजाति से संबंध नहीं रख सकती थी। ये उनकी परंपरा के विरुद्ध था, इसलिए वामीरो के लिए तताँरा को भूलना आवश्यक था।

47. **(d)** असहज

व्याख्या—तताँरा से पहली मुलाकात के बाद जब वामीरो घर पहुँचती है तो वह अपने आपको बेचैन महसूस करती है इसलिए वह असहज थी।

48. **(d)** वह तताँरा के तौर-तरीके से बहुत अधिक प्रभावित थी।

व्याख्या—वामीरो के लिए तताँरा एक अलग ढंग से उसके सामने आया तो वह उससे बहुत प्रभावित हो गयी।

49. **(a)** अद्‌भुत - साहसी

व्याख्या—वामीरो ने तताँरा के विषय में बहुत-सी कहानियाँ सुन रखी थीं। तो वामीरो के लिए वह एक अद्‌भुत साहसी पुरुष था।

50. **(b)** दूसरे गाँव के युवक से संबंध-निषेध की।

व्याख्या—अंडमान और निकोबार द्वीप में एक जनजाति के लोग दूसरी जनजाति के साथ संबंध नहीं रख सकते थे ये उनकी परंपरा के विरुद्ध था इसलिए वामीरो तताँरा के साथ संबंध नहीं रख सकती थी।

IX 51. **(d)** ईश्वर की

व्याख्या—परमात्मा की इजाजत से ही हम सब इस धरती पर अलग-अलग रूप में आए हैं। तो हम सब जीव उसकी ही संतान हैं।

52. **(c)** प्रायश्चित-भाव के कारण

व्याख्या—नूह द्‌वारा कुत्ते को दुत्कारने पर, जब कुत्ते ने उन्हें असलियत बताई कि मैं और तुम दोनों ही उस ईश्वर द्वारा बनाए गए हैं तो वे सारी उम्र रोते रहे और प्रायश्चित किया।

53. **(b)** हमें सबके प्रति संवेदनशील होना चाहिए।

व्याख्या—इस गद्यांश में लेखक ने सभी जीवों को एक-दूसरे के प्रति प्रेम और समानता का भाव रखने के लिए कहा है।

54. **(a)** मृत्यूपरांत सभी जीवों का निजी अस्तित्व समाप्त हो जाता है।

व्याख्या—प्रस्तुत पंक्ति में कवि कह रहे हैं कि हम सभी एक ही मिट्‌टी अर्थात् धरती से उत्पन्न हुए हैं और उसी धरती की गोद में समा जाते हैं। अत: सभी मिट जाते हैं।

55. **(d)** वे कुत्ते को गंदा मानते थे।

व्याख्या—इस्लाम में कुत्तों को गंदा समझा जाता है इसलिए नूह भी कुत्ते को गंदा मानते थे।

❑❑❑

CBSE - Sample Question Paper
Term – I

OMR SHEET

Booklet Series
A

Use English Numbers / Letters only. Use Blue / Black Ball Point Pen to write in box.

Booklet Series

Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ

Subject

Roll Number

0 0 0 0 0 0 0 0 0 0
1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
2 2 2 2 2 2 2 2 2 2
3 3 3 3 3 3 3 3 3 3
4 4 4 4 4 4 4 4 4 4
5 5 5 5 5 5 5 5 5 5
6 6 6 6 6 6 6 6 6 6
7 7 7 7 7 7 7 7 7 7
8 8 8 8 8 8 8 8 8 8
9 9 9 9 9 9 9 9 9 9

Name

Test Date

Student's Signature

Invigilator's Signature

Certified that all the entries in this section have been properly filled by the student

Proper Marking

The OMR Sheet will be computer checked Fill the circles completely and dark enough for proper detection, Use ballpen (black or blue) for marking.

Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ

Avoid Improper Marking

Partially Filled

Lightly Filled

Test Center Code

0 0
1 1
2 2
3 3
4 4
5 5
6 6
7 7
8 8
9 9

IMPORTANT

The candidate should check that the Test Book Series printed on the OMR Sheet is the same as printed on the Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of both the Test Booklet and the Answer Sheet.

Darken the circle for each question.

Q.No.	Response
	खण्ड – क
01	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ
	अथवा
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ
02	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ

Q.No.	Response
	अथवा
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ
	खण्ड – ख
03	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ
04	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ

Q.No.	Response
05	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ
6.	क ख ग घ
06	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ
	खण्ड – ग
07	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ

Q.No.	Response
08	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ
09	
1.	क ख ग घ
2.	क ख ग घ
3.	क ख ग घ
4.	क ख ग घ
5.	क ख ग घ